

से राज्यों में डेरी परियोजनाएँ स्थापित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो ऐसी परियोजनाएँ उत्तर प्रदेश में किन-किन शहरों में स्थापित किए जाने की संभावना है; और

(ग) ये परियोजनाएँ कब तक आरम्भ होने की संभावना है?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री जयन्तीलाल चोरचन्दभाई शाह) : (क) सरकार ऐसे किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है जिसका मूल उद्देश्य सिस्टमलैंड सरकार के सहयोग से राज्यों में डेरी परियोजनाएँ स्थापित करना हो।

(ख) और (ग) ये प्रश्न नहीं लठते।

Uniform code for cooperatives

*1S9. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

■ (a) whether Government propose to have a uniform code and legal rules for the all co-operatives in the country; and

' (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI JAYANTILAL VIRCHAND-BHAI SHAH): (a) and (b) Co-operative Societies" is a State Subject. The State Governments are responsible for the supervision of, and guidance to, the co-operative societies in the States. For this purpose, each State Government has enacted its own co-operative societies law.

The Government of India, in the Planning Commission, have appointed a Committee to assess the existing situation of the co-operative movement and nature of co-operative laws, so as to recommend a model for co-opera-

tive law in the country. The Committee has prepared a draft Bill, which has been circulated to the State Governments, national-level co-operative societies, agencies, interested in the promotion of co-operative activities and individual co-operators. The final draft will be prepared by the Committee in the light of these comments and the same is expected to be submitted to the Planning Commission by March, 1991.

उन्नत प्रकार के बीज

*140. श्री शंकर श्याल सिंह : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान किए गए अनुसंधान कार्य के फलस्वरूप कृषि क्षेत्र में इस्तेमाल के लिए किस-किस प्रकार के उन्नत बीज उपलब्ध कराए गए हैं; और

(ख) इन बीजों को किसानों को उपलब्ध कराने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उप प्रधान मंत्री तथा कृषि और पर्यटन मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) महोदय, पिछले तीन वर्षों में विभिन्न फसलों की 235 किस्में अधिसूचित की गई हैं।

(ख) बीजों के उत्पादन और वितरण की जिम्मेदारी मुख्य रूप से राज्य सरकारों केन्द्र शासित क्षेत्रों की है, जो यह काम विभिन्न राज्य एजेंसियों के द्वारा करते हैं। केन्द्र सरकार राष्ट्रीय बीज निगम और राज्यीय फार्म निगम के जरिये इस काम में उनकी सहायता करती है। फसल विकास कार्यक्रमों के तहत भी इन्हें सहायता दी जाती है।

गरीबी को कम करने के लिये प्रारम्भ किये गये कार्यक्रमों की प्रिकलता

@993. श्री राम जेट मलानी :

श्री बलराम सिंह यादव :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 26